

इंद्रिय बोध पुं. (तत्.) [इंद्रिय+बोध] 1. इंद्रियों द्वारा प्राप्त ज्ञान 2. इंद्रियों का ज्ञान, ज्ञानेन्द्रियों तथा कर्मेन्द्रियों की पहचान।

इंद्रिय लोभ वि. (तत्.) [इंद्रिय+लोभ] इंद्रियों की विषय-वासना में बुरी तरह से लिप्त।

इंद्रियवृत्त स्त्री. (तत्.) इंद्रियों का स्वभाव।

इंद्रिय-संयम पुं. (तत्.) इंद्रियों को नियंत्रण में रखने का कार्य, इंद्रियों के विषय-विलास में न उलझने का कार्य।

इंद्रिय-सन्निकर्ष पुं. (तत्.) मानसिक अथवा बाह्य प्रक्रिया से, ज्ञानेन्द्रियों का संपर्क।

इंद्रिय-सुख पुं. (तत्.) इंद्रियों द्वारा रूप, रंग, गंध स्वाद आदि विषय प्राप्त करने का सुख।

इंद्रियागोचर वि. (तत्.) [इंद्रिय+अगोचर] इंद्रियों द्वारा प्रतिभासित न होने वाला, इंद्रियाँ जिसका आभास न कर सकें।

इंद्रियातीत पुं. (तत्.) इंद्रियों से परे, इंद्रियों द्वारा अज्ञेय, या अगोचर।

इंद्रियानुभव पुं. (तत्.) [इंद्रिय+अनुभव] ज्ञानेन्द्रिय अथवा कर्मेन्द्रिय द्वारा प्राप्त अनुभव।

इंद्रियानुभविक वि. (तत्.) [इंद्रिय+अनुभविक] 1. इंद्रियों के अनुभव पर आधारित 2. इंद्रियों द्वारा अनुभूत।

इंद्रियानुभविक मनोविज्ञान पुं. (तत्.) इंद्रियों के अनुभवों अथवा तथ्यों पर आधारित मनोविज्ञान।

इंद्रियायतन पुं. (तत्.) [इंद्रिय+आयतन] 1. इंद्रियों का निवास, शरीर, देह 2. आत्मा।

इंद्रियार्थ अव्य. (तत्.) [इंद्रिय+अर्थ] 1. इंद्रियों के लिए 2. इंद्रियों का विषय, यथा- रूप रंग, स्वाद, गंध तथा स्पर्श।

इंद्रियार्थवाद पुं. (तत्.) [इंद्रिय+अर्थ+वाद] 1. इंद्रियों की वासना के उपभोग का वाद 2. इंद्रियों द्वारा ज्ञान प्राप्त करने का मत 3. इंद्रियों की तृप्ति को ही सर्वोच्च स्थान देने वाला मत।

इंद्रियार्थ-सन्निकर्ष पुं. (तत्.) इंद्रियों का उनके अपने गुण-धर्म से संबंध।

इंद्रियेतर वि. (तत्.) इंद्रिय से भिन्न, इंद्रियों के गुण-धर्म से भिन्न अनुभूति को इंद्रियेतर अनुभूति कह सकते हैं।

इंद्री स्त्री. (तद्.) दे. इंद्रिया।

इंधन पुं. (तत्.) जलाने की लकड़ी, कोयले, उपले आदि (दे. ईंधन)।

इंपीरियल वि. (अं.) राजकीय, सम्राट या साम्राज्य संबंधी, शाही।

इन्फ्लुएंज़ा पुं. (अं.) इन्फ्लुएंज़ा, एक संक्रामक रोग, जिसके सामान्य लक्षण होते हैं- नाक का बहना, गले की खराश, अंग-प्रत्यंग का दर्द, तेज बुखार आदि, श्लेष्माज्वर।

इंशा अल्लाह स्त्री. (अर.) अल्लाह की इबारत या अल्लाह का लिखा, ईश्वर की इच्छा हुई तो, खुदा ने चाहा तो।

इंसान पुं. (अर.) दे. इन्सान।

इंसानियत स्त्री. (अर.) 1. मानवता 2. दयाशील स्वभाव 3. भलमनसाहत 4. शिष्टता।

इंसानी वि. (अर.) 1. मानवी 2. सभ्यतापूर्ण 3. शिष्ट।

इंसाफ पुं. (अर.) न्याय।

इंसाफपसंद वि. (तद्.) [इंसाफ+पसंद] 1. न्यायप्रिय 2. सही निर्णय करने वाला।

इंसुलिन पुं. (अं.) आयु. अग्न्याशय की कोशिकाओं में बनने वाले हार्मोन जो शर्करा के चयापचय को नियंत्रित करते हैं मधुमेह के रोगियों को यह औषधि के रूप में सुई लगाकर बाहर से दिया जाता है।

इंस्टीट्यूट स्त्री. (अं.) संस्थान, संस्था।

इंस्पेक्टर पुं. (अं.) निरीक्षक, देखभाल करने वाला।

इ अव्य. (तद्.) 1. क्रोध, दया, आश्चर्य सूचक एक शब्द 2. यह 3. ही प्रयो. झूठई भोजन झूठ चबेना- तुलसी

इक वि. (तद्.) दे. एक।

इकट्ठा वि. (तद्.) एकत्र, जमा।

इकतरफा वि. (देश.) (इक+तरफा) 1. एक ही तरफ का 2. पक्षपातपूर्ण 3. एकतरफा 4. अन्य पक्ष की अवहेलना करने वाला।